**णीञ् धातुः**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **कार्यम्** | **प्रक्रिया** | **सूत्रम्** |
| **मूलधातुः** | णीञ् प्रापणे, भ्वादिः, उभयपदी, अनिट् |
| **इत्संज्ञा-लोपः** | णी | हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **प्राकृतिकानि कार्याणि** | नी | णो नः |
| **लकारः** | नी लँट्नी ल् | वर्तमाने लट्उपदेशेऽजनुनासिक इत्, हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **अट्/आट्** | - |  |
| **लस्य तिबादयः** | नी तिप्नी ति | तिप्तस्झि...हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **विकरणः** | नी शप् तिनी अ ति | कर्तरि शप्लशक्वतद्धिते, हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **विकरणनिमित्तं कार्यम्** | ने अ ति | सार्वधातुकार्द्धधातुकयोः |
| **प्रत्ययनिर्माणम्** | - |  |
| **तिङ्प्रत्ययनिमित्तं कार्यम्** | - |  |
| **सन्धिकार्यम्** | नय ति | एचोऽयवायावः |
| **त्रिपादीकार्यम्** |  |  |

**लट्-लकारे परस्मैपदरूपाणि**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
| **प्रथमपुरुषः** | नय+ति = नयति | नय+तः = नयतः | नय+अन्ति = नयन्ति (अतो गुणे) |
| **मध्यमपुरुषः** | नय+सि = नयसि | नय+थः = नयथः | नय+थ = नयथ |
| **उत्तमपुरुषः** | नय+मि = नयामि (अतो दीर्घो यञि) | नय+वः = नयावः (अतो दीर्घो यञि) | नय+मः = नयामः (अतो दीर्घो यञि) |

**लट्-लकारे आत्मनेपदरूपाणि**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
| **प्रथमपुरुषः** | नय+ते = नयते | नय+इते = नयेते (आद्गुणः) | नय+अन्ते = नयन्ते (अतो गुणे) |
| **मध्यमपुरुषः** | नय+से = नयसे | नय+इथे = नयेथे (आद्गुणः) | नय+ध्वे = नयध्वे |
| **उत्तमपुरुषः** | नय+ए = नये (अतो गुणे) | नय+वहे = नयावहे (अतो दीर्घो यञि) | नय+मः = नयामहे (अतो दीर्घो यञि) |

**लोट्-लकारे परस्मैपदरूपाणि**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
| **प्रथमपुरुषः** | नय+तु = नयतु/नय+तात् = नयतात् | नय+ताम् = नयताम् | नय+अन्तु = नयन्तु (अतो गुणे) |
| **मध्यमपुरुषः** | नय+\_ = नय/नय+तात् = नयतात् | नय+तम् = नयतम् | नय+त = नयत |
| **उत्तमपुरुषः** | नय+आनि = नयानि (अकः सवर्णे दीर्घः) | नय+आव = नयाव (अकः सवर्णे दीर्घः) | नय+आम = नयाम(अकः सवर्णे दीर्घः) |

**लोट्-लकारे आत्मनेपदरूपाणि**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
| **प्रथमपुरुषः** | नय+ताम् = नयताम् | नय+इताम् = नयेताम् (आद्गुणः) | नय+अन्ताम्= नयन्ताम् (अतो गुणे) |
| **मध्यमपुरुषः** | नय+स्व = नयस्व | नय+इथाम् = नयेथाम् (आद्गुणः) | नय+ध्वम् = नयध्वम् |
| **उत्तमपुरुषः** | नय+ऐ = नयै (वृद्धिरेचि) | नय+आवहै = नयावहै (अकः सवर्णे दीर्घः) | नय+आमहै = नयामहै (अकः सवर्णे दीर्घः) |

**लङ्-लकारे परस्मैपदरूपाणि**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
| **प्रथमपुरुषः** | अनय+त् =अनयत् | अनय+ताम् =अनयताम् | अनय+अन् =अनयन् (अतो गुणे) |
| **मध्यमपुरुषः** | अनय+स् = अनयस् = अनयः | अनय+तम् =अनयतम् | अनय+त =अनयत |
| **उत्तमपुरुषः** | अनय+अम् = अनयम् (अमि पूर्वः) | अनय+व = अनयाव (अतो दीर्घो यञि) | अनय+म = अनयाम(अतो दीर्घो यञि) |

**लङ्-लकारे आत्मनेपदरूपाणि**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
| **प्रथमपुरुषः** | अनय+त = अनयत | अनय+इताम् = अनयेताम् (आद्गुणः) | अनय+अन्त= अनयन्त (अतो गुणे) |
| **मध्यमपुरुषः** | अनय+थाः = अनयथाः | अनय+इथाम् = अनयेथाम् (आद्गुणः) | अनय+ध्वम् = अनयध्वम् |
| **उत्तमपुरुषः** | अनय+इ = अनये (आद्गुणः) | अनय+वहि = अनयावहि (अतो दीर्घो यञि) | अनय+महि = अनयामहि (अतो दीर्घो यञि) |

**विधिलिङ्-लकारे परस्मैपदरूपाणि**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
| **प्रथमपुरुषः** | नय+इत् =नयेत् (आद्गुणः) | नय+इताम् = नयेताम्(आद्गुणः) | नय+इयुः = नयेयुः(आद्गुणः) |
| **मध्यमपुरुषः** | नय+इः = नयेः(आद्गुणः) | नय+इतम् = नयेतम्(आद्गुणः) | नय+इत = नयेत(आद्गुणः) |
| **उत्तमपुरुषः** | नय+इयम् = नयेयम्(आद्गुणः) | नय+इव = नयेव(आद्गुणः) | नय+इम = नयेम(आद्गुणः) |

**विधिलिङ्-लकारे आत्मनेपदरूपाणि**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  | **एकवचनम्** | **द्विवचनम्** | **बहुवचनम्** |
| **प्रथमपुरुषः** | नय+ईत = नयेत(आद्गुणः) | नय+ईयाताम् = नयेयाताम् (आद्गुणः) | नय+ईरन् = नयेरन्(आद्गुणः) |
| **मध्यमपुरुषः** | नय+ईथाः = नयेथाः(आद्गुणः) | नय+ईयाथाम् = नयेयाथाम् (आद्गुणः) | नय+ईध्वम् = नयेध्वम्(आद्गुणः) |
| **उत्तमपुरुषः** | नय+ईय = नयेय (आद्गुणः) | नय+ईवहि = नयेवहि(आद्गुणः) | नय+ईमहि = नयेमहि(आद्गुणः) |

**स्था धातुः**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **कार्यम्** | **प्रक्रिया** | **सूत्रम्** |
| **मूलधातुः** | ष्ठा गतिनिवृत्तौ, भ्वादिः, परस्मैपदी, अनिट् |
| **इत्संज्ञा-लोपः** | - |  |
| **प्राकृतिकानि कार्याणि** | स्था | धात्वादेः षः सः |
| **लकारः** | स्था लँङ्स्था ल् | अनद्यतने लङ्उपदेशेऽजनुनासिक इत्, हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **अट्/आट्** | अ स्था ल् | लुङ्लङ्लृङ्क्ष्वडुदात्तः |
| **लस्य तिबादयः** | अ स्था सिप्अ स्था सि | तिप्तस्झि...हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **विकरणः** | अ स्था शप् सिअ स्था अ सि | कर्तरि शप्लशक्वतद्धिते, हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **विकरणनिमित्तं कार्यम्** |  अ तिष्ठ् अ सि | पाघ्राध्मास्थाम्नादाण्.... |
| **प्रत्ययनिर्माणम्** | अ तिष्ठ् अ स् |  |
| **तिङ्प्रत्ययनिमित्तं कार्यम्** | - |  |
| **सन्धिकार्यम्** | - |  |
| **त्रिपादीकार्यम्** | अतिष्ठ् अर्अतिष्ठः | ससजुषो रुःखरवसानयोर्विसर्जनीयः |

|  |  |
| --- | --- |
| **लट्-लकारः** | **लोट्-लकारः** |
| ति = तिष्ठति | तः = तिष्ठतः | अन्ति = तिष्ठन्ति | तु = तिष्ठतु/तात् = तिष्ठतात् | ताम् = तिष्ठताम् | अन्तु = तिष्ठन्तु |
| सि = तिष्ठसि | थः = तिष्ठथः | थ = तिष्ठथ | \_ = तिष्ठ/ तात् = तिष्ठतात् | तम् = तिष्ठतम् | त = तिष्ठत |
| मि = तिष्ठामि | वः = तिष्ठावः | मः = तिष्ठामः | आनि = तिष्ठानि | आव = तिष्ठाव  | आम = तिष्ठाम |
| **लङ्-लकारः** | **विधिलिङ्-लकारः** |
| त् = अतिष्ठत् | ताम् = अतिष्ठताम् | अन् =अतिष्ठन् | इत् = तिष्ठेत् | इताम् = तिष्ठेताम् | इयुः = तिष्ठेयुः |
| स् = अतिष्ठः | तम् = अतिष्ठतम् | त = अतिष्ठत | इः = तिष्ठेः | इतम् = तिष्ठेतम् | इत = तिष्ठेत |
| अम् = अतिष्ठम् | व = अतिष्ठाव | म = अतिष्ठाम | इयम् = तिष्ठेयम् | इव = तिष्ठेव | इम = तिष्ठेम |

**क्रम् धातुः**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **कार्यम्** | **प्रक्रिया** | **सूत्रम्** |
| **मूलधातुः** | क्रमुँ पादविक्षेपे, भ्वादिः, परस्मैपदी, सेट् |
| **इत्संज्ञा-लोपः** | क्रम् | उपदेशेऽजनुनासिक इत्, तस्य लोपः |
| **प्राकृतिकानि कार्याणि** | - |  |
| **लकारः** | क्रम् लोँट्क्रम् ल् | लोट् चउपदेशेऽजनुनासिक इत्, हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **अट्/आट्** | - |  |
| **लस्य तिबादयः** | क्रम् मिप्क्रम् मि | तिप्तस्झि...हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **विकरणः** | १) क्रम् श्यन् मिक्रम् य मि२) क्रम् शप् मिक्रम् अ मि | वा भ्राश-भ्लाश-भ्रमु-क्रमु-क्लमु-त्रसि-त्रुटि-लषःलशक्वतद्धिते, हलन्त्यम्, तस्य लोपःकर्तरि शप्लशक्वतद्धिते, हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **विकरणनिमित्तं कार्यम्** | १) क्राम् य मि२) क्राम् अ मि | क्रमः परस्मैपदेषुक्रमः परस्मैपदेषु |
| **प्रत्ययनिर्माणम्** | १) क्राम् य आनि२) क्राम् अ आनि |  |
| **तिङ्प्रत्ययनिमित्तं कार्यम्** | - |  |
| **सन्धिकार्यम्** | १) क्राम्यानि२) क्रामानि | अकः सवर्णे दीर्घःअकः सवर्णे दीर्घः |
| **त्रिपादीकार्यम्** | १) क्राम्याणि२) क्रामाणि | अट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपिअट्कुप्वाङ्नुम्व्यवायेऽपि |

|  |  |
| --- | --- |
| **लट्-लकारः** | **लोट्-लकारः** |
| ति = क्राम्यति क्रामति | तः = क्राम्यतःक्रामतः | अन्ति =क्राम्यन्ति क्रामन्ति | तु = क्राम्यतु क्रामतु/तात्=क्राम्यतात् क्रामतात् | ताम् = क्राम्यताम् क्रामताम् | अन्तु = क्राम्यन्तु क्रामन्तु |
| सि = क्राम्यसि क्रामसि | थः = क्राम्यथः क्रामथः | थ = क्राम्यथ क्रामथ | \_ = क्राम्य क्राम/ तात्=क्राम्यतात् क्रामतात्  | तम् = क्राम्यतम् क्रामतम् | त = क्राम्यत क्रामत |
| मि =क्राम्यामि क्रामामि | वः = क्राम्यावः क्रामावः | मः = क्राम्यामः क्रामामः | आनि = क्राम्याणिक्रामाणि | आव = क्राम्याव क्रामाव  | आम = क्राम्यामक्रामाम |
| **लङ्-लकारः** | **विधिलिङ्-लकारः** |
| त् = अक्राम्यत् अक्रामत् | ताम् =अक्राम्यताम् अक्रामताम् | अन=अक्राम्यन् अक्रामन् | इत् = क्राम्येत् क्रामेत् | इताम्=क्राम्येताम् क्रामेताम् | इयुः = क्राम्येयुः क्रामेयुः |
| स् = अक्राम्यः अक्रामः | तम् = अक्राम्यतम् अक्रामतम् | त = अक्राम्यत अक्रामत | इः = क्राम्येः क्रामेः | इतम् = क्राम्येतम् क्रामेतम् | इत = क्राम्येत क्रामेत |
| अम् = अक्राम्यम् अक्रामम् | व = अक्राम्यावअक्रामाव | म= अक्राम्याम अक्रामाम | इयम् = क्राम्येयम् क्रामेयम् | इव = क्राम्येव क्रामेव | इम = क्राम्येम क्रामेम |

**गुप् धातुः**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **कार्यम्** | **प्रक्रिया** | **सूत्रम्** |
| **मूलधातुः** | गुपूँ रक्षणे, भ्वादिः, परस्मैपदी, वेट् |
| **इत्संज्ञा-लोपः** | गुप् | उपदेशेऽजनुनासिक इत्, तस्य लोपः |
| **प्राकृतिकानि कार्याणि** | गुप् आय गोपाय | गुपूधूपविच्छिपणिपनिभ्य आयः, सनाद्यन्ता धातवःपुगन्तलघूपधस्य च |
| **लकारः** | गोपाय लिँङ्गोपाय ल् | विधिनिमन्त्रणामन्त्रणाधीष्टसंप्रश्नप्रार्थनेषु लिङ्उपदेशेऽजनुनासिक इत्, हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **अट्/आट्** | - |  |
| **लस्य तिबादयः** | गोपाय झि | तिप्तस्झि... |
| **विकरणः** | गोपाय शप् झिगोपाय अ झि | कर्तरि शप्लशक्वतद्धिते, हलन्त्यम्, तस्य लोपः |
| **विकरणनिमित्तं कार्यम्** |  - |  |
| **प्रत्ययनिर्माणम्** | गोपाय अ इयुः |  |
| **तिङ्प्रत्ययनिमित्तं कार्यम्** | - |  |
| **सन्धिकार्यम्** | गोपाय इयुःगोपायेयुः | अतो गुणेआद्गुणः |
| **त्रिपादीकार्यम्** |  |  |